S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR

VALUE-ADDED COURSE

COURSE TITLE: राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास

NODAL DEPARTMENT: HINDI

COURSE CODE: 23VAC_6301T

MARKING SCHEME

Tutorial (Hours)	Time Allowed ESE (Hrs)	Course Credits	Total Marks	End Semester Exam (Max. Marks)	Assignment	Minimum Marks
30	2	2	50	35	15	20

उद्देश्य (COURSE OBJECTIVES):

1. भारत संघ की राजभाषा हिन्दी होगी। केन्द्र सरकार हिन्दी का विकास इस रूप में कर रही है कि वह भारत की सामाजिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बन सके।
2. विद्यार्थियों को शासन और शासक की भाषायी कार्य प्रणाली का ज्ञान करवाना।
3. भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं को भाषा के द्वारा समृद्ध करना।

COURSE CONTENTS:

राजभाषा के रूप में हिन्दी **(15 Hours)**

- सांस्कृतिक सेतु के रूप में हिन्दी
- हिन्दी का संवैधानिक स्वरूप
- प्रशासनिक संदर्भ में हिन्दी

कार्यालयीय अनुवाद का व्यावहारिक संदर्भ एवं रोजगार के क्षेत्र में हिन्दी

- हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली (केवल प्रशासनिक शब्दावली)
- हिन्दी की कार्यालयी प्रयुक्तियाँ
- विज्ञापन एवं मीडिया
- अनुवाद : परिचय एवं प्रक्रिया **(15 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ (SUGGESTED READINGS):

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

3. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. किरणबाला, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
4. प्रयोजनपरक हिन्दी : प्रो. रमेश जैन, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर

अधिगम प्रतिफल (COURSE OUTCOMES):

On successful completion of the course the students will be able to:

1. यह एक रोजगारपरक पाठ्यक्रम है जो विद्यार्थी को रोजगार से जोड़ता है।
2. इस विषय का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी धार्मिक, राजनीतिक एवं आर्थिक व्यवहार कर पाने में सक्षम हो पायेंगे।

(Prof. K. B. Sharma)
Principal

Head of the Department